



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 14—मई 20, 2005 (वैशाख 24, 1927)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 14—MAY 20, 2005 (VAISAKHA 24, 1927)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION IV]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued
by
Statutory Bodies]

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 2005

सं. यू-16/53/99/(आ. प्र.)-चि. शाखा 3--कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23.5.1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य के लिए डॉ. के. सुधाकर राव को चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करते हुए बीमाकृत व्यक्तियों की जांच के लिए व मूल प्रमाण पत्र प्रदान करने के संबंध में दिनांक 1.9.2002 से 31.8.2003 की अवधि की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान करती हूँ।

डॉ. कमलेश कालरा
चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 2005

सं. यू-16/53/पी.टी.एम.आर./आ. प्र./2002 चि.-2--कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23.5.1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डॉक्टर को मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को उप चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण-पूर्व क्षेत्र) द्वारा निर्धारित क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ :-

क्र. सं.	डॉक्टर का नाम	अवधि	केंद्र का नाम
1.	डॉ. गोविन्द प्रसाद	24.1.2005 से 23.1.2006	निजामाबाद, मेहबूब नगर, चिकडपल्ली, चारमीनार, रानीगंज, तरनाका और बीबी नगर।
			डॉ. कमलेश कालरा चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 2005

सं. एन-15/13/12/1/2004-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 95क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अप्रैल, 2005 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95 क तथा राजस्थान कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ राजस्थान राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात:--

“जिला -जयपुर, तहसील-सांगानेर के राजस्व ग्राम-मिश्र का बाद, बीलवा और सुखदेवपुरा उर्फ नाटणीवाला के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

एस. थॉमस
निदेशक (यो. एवं वि.)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 2005

सं. वी-33(13)22/92-स्था-4--क.रा.बी. (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10 के साथ पठित क.रा.बी. अधिनियम, 1948 की धारा 25 के अनुसरण में, अध्यक्ष, क.रा.बी. निगम “वित्त सचिव” के स्थान पर “स्वास्थ्य सचिव” को नामित करते हैं।

अतः अब निगम की अधिसूचना संख्या: वी-33(13)22/92-स्था.-4 दिनांक 23.01.2004 के क्रमांक 1 पर प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी:--

मौजूदा प्रविष्टि	प्रस्तावित प्रविष्टि
1. वित्त सचिव	स्वास्थ्य सचिव
चण्डीगढ़ प्रशासन	चण्डीगढ़ प्रशासन

डॉ. अजय दुआ
महानिदेशक

क्षेत्रीय कार्यालय (उड़ीसा)

भुवनेश्वर-22, दिनांक 30 जुलाई 2004

शुद्धि-पत्र

सं. 44-वी-34/12/26/87-हित.--भारत के राजपत्र, प्रकाशन सं. 7 दिनांक 14.2.2004 द्वारा प्रकाशित बारीपदा की स्थानीय समिति का पुनर्गठन संबंधी अधिसूचना में आंशिक संशोधन में 4(ii) में उल्लिखित सदस्य का नाम निम्नलिखित पढ़ा जाए:--

सदस्य

4(ii) श्री एन. आर. पाणीग्राही
वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन)
मेसर्स निक्को निगम लि.
केबुल डिविज़न, बारीपदा
जिला - मयुरभंज

सी. आर. नाइया
क्षेत्रीय निदेशक
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
उड़ीसा क्षेत्र

दी इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इन्डिया

नई दिल्ली 110002, दिनांक 28 अप्रैल 2005

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं. 1-सी.ए.(7)84/2005--चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 के विनियम 159(1) के अनुसरण में, इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के परिषद, तारीख 22 जनवरी, 2005 से वसई में पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद की शाखा की स्थापना को अधिसूचित करती है।

इस शाखा को पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद की वसई शाखा कहा जाएगा।

इस शाखा के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत, वसई शहर के साथ-साथ, वसई शहर की नगरपालिका सीमाओं से 50 किलोमीटर अर्धव्यास के भीतर आने वाले निम्नलिखित शहर/नगर सम्मिलित होंगे:--

- मीरा रोड
- नालासोपारा
- भयांदर

विनियम 159(3) के अन्तर्गत विहित किए गए अनुसार, यह शाखा परिषद् के नियंत्रण अधीक्षण तथा निदेशों के अधीन रहते हुए पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद् के माध्यम से कार्य/कृत्य करेगी और

ऐसे निदेशों को, जो परिषद् द्वारा समय-समय पर, जारी किए जाएं, कार्यान्वित करेगी।

डा. अशोक हल्दिया
सचिव

सं. 1-सी.ए.(7)85/2005--चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 के विनियम 159(1) के अनुसरण में, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के परिषद्, तारीख 22 जनवरी, 2005 से ठाणे में पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद् की शाखा की स्थापना को अधिसूचित करती है।

इस शाखा को पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद् की ठाणे शाखा कहा जाएगा।

इस शाखा के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत, ठाणे शहर के साथ-साथ, ठाणे शहर की नगरपालिका सीमाओं से 50 किलोमीटर अर्धव्यास के भीतर आने वाले निम्नलिखित शहर/नगर सम्मिलित होंगे:--

1. कल्याण
2. उल्लहासनगर
3. अम्बरनाथ

विनियम 159(3) के अन्तर्गत विहित किए गए अनुसार, यह शाखा परिषद् के नियंत्रण अधीक्षण तथा निदेशों के अधीन रहते हुए पश्चिमी भारत प्रादेशिक परिषद् के माध्यम से कार्य/कृत्य करेगी और ऐसे निदेशों को, जो परिषद् द्वारा समय-समय पर, जारी किए जाएं, कार्यान्वित करेगी।

डा. अशोक हल्दिया
सचिव

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110068, दिनांक 21 अप्रैल 2005

सं. आईजी/प्रशा(जी)/ओ.15/04/90--इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 1985 (1985 का 50) की धारा 25(2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड ने 16.11.2004 को आयोजित अपनी 81वीं बैठक में निदेशकों की (विद्यापीठों के निदेशकों के अलावा) परिलब्धियों, सेवा-शर्तों और उनकी शक्तियों तथा प्रकार्यों [संविधि के खंड (3) और (4)] के संबंध में अध्यादेश 15 में संशोधन किया है।

संशोधन के बाद अध्यादेश 15 के अंतर्गत खंड-3 इस प्रकार पढ़ा जाएगा :

3(i) अधिनियम और संविधि के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति की अवधि तीन वर्ष की होगी, और प्रबंध बोर्ड आगामी प्रत्येक 3 वर्षों के लिए नियुक्ति अवधि को बढ़ा सकता है।

नियमित नया उप-खंड भी जोड़ा जाएगा:

3(ii) अध्यादेश में किसी बात के होते हुए भी निदेशक प्रबंध बोर्ड को तीन महीने पहले लिखित सूचना देकर या इसके बदले में तीन महीने का वेतन देकर त्यागपत्र दे सकता है बशर्ते कुलपति ने अपने विवेकाधिकार से सूचना की अनिवार्यता में छूट दी हो और इस मामले की सूचना प्रबंध बोर्ड को दी हो (प्रत्येक मामले के संबंध में एक स्वतः पूर्ण टिप्पणी प्रस्तुत की जाएगी जिसमें कुलपति को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने संबंधी परिस्थिति का उल्लेख किया जाएगा)।

संशोधन के बाद अध्यादेश के अंतर्गत खंड 5 को इस प्रकार पढ़ा जाएगा।

5. प्रत्येक निदेशक अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के अध्यापकों को समय-समय पर देय छुट्टी का पात्र होगा जिसमें सबैटिकल छुट्टी और अवकाश (वेकेशन) शामिल नहीं होंगे। जब किसी अन्य विश्वविद्यालय या संस्थान का कर्मचारी इस प्रकार के विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित या संबद्ध होगा और निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होगा तो उस पर भी ये नियम लागू होंगे जिनमें निदेशक के रूप में उसकी नियुक्ति से लेकर प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति तक पात्र होगा। इस प्रकार के मामलों में छुट्टी का वेतन और पेशन अंशदान या कर्मचारी के भविष्य निधि का अंश, जैसी भी स्थिति हो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर निर्धारित संशोधित नियमों के अनुसार लेंडिंग संस्थान/विश्वविद्यालय को प्रेषित की जाएगी।

ह./- अपठनीय
कुलसचिव (प्रशासन)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 21st March 2005

No. U-16/53/99/Med.III (A.P.).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25.4.1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such powers further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23.5.1983, I hereby convey my ex-post facto authorization to Dr. K. Sudhakar Rao to function as Medical Authority for Andhra Pradesh region for the period i.e. from 1.9.2002 to 31.8.2003 for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

DR. KAMLESH KALRA
Medical Commissioner

The 20th April 2005

No. U-16/53/PTMR/2002-Med.II/(A.P.).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25.4.1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such powers further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23.5.1983, I hereby authorize the following doctor to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date given below for one year or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centres as stated below for areas to be allocated by State Medical Commissioner, Hyderabad for the purpose of medical examination of the insured person and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

Name	Period	Name of Centre
1. Dr. Govind Prasad	24.1.2005 to 23.1.06	Nizamabad, Mehboob Nagar, Chikkad Pally, Charminar, Rani Gunj, Tarnaka and Bibinagar

DR. KAMLESH KALRA
Medical Commissioner

New Delhi, the 19th April 2005

No. N-15/13/12/1/2004-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st April, 2005 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Rajasthan Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Rajasthan namely :

"Areas comprising the Revenue Villages of Misra Ka Bad, Beelwa and Sukhdevpura alias Nataniwala in Tehsil Sanganer of Jaipur District."

S. THOMAS
Director (P&D)

New Delhi, the 25th April 2005

No. V-33(13)22/92-E.IV.—In pursuance of Section-25 of the ESI Act, 1948 read with Regulation-10 of ESI (General) Regulations, 1950, the Chairman, ESI Corporation nominates "Health Secretary" in place of "Finance Secretary".

Now therefore in the Corporation's Notification No. V-33(13)22/92-E.IV dated 23.1.2004 against entries at S. No. 1, the following entries shall be substituted:—

Existing entry	Proposed entry
1. Finance Secretary Chandigarh Administration	Health Secretary Chandigarh Administration

DR. AJAY DUA
Director General

REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-751022, the 30th July 2004

CORRIGENDUM

No. 44-V-34/12/26/87-Bft.—In partial modification of the Notification regarding re-constitution of Local Committee of Baripada as published vide the Gazette of India, publication No. 7 dated 14.2.2004, the name of the member mentioned under 4(ii) shall be read as under:

4(ii) Shri N.R. Panigrahi
Senior Manager (P&A)
M/s. Nicco Corporation Ltd.,
Cable Division, Baripada,
Dist : Mayurbhanj

Member

C. R. NAIYA
Regional Director

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 28th April 2005

(Chartered Accountants)

No. 1-CA(7)/84/2005.—In pursuance of Regulation 159(1) of the Chartered Accountants Regulations 1988, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify the setting up of a branch of Western India Regional Council at Vasai with effect from 22nd January, 2005.

The Branch shall be known as Vasai Branch of the Western India Regional Council.

The jurisdiction of the Branch shall, besides Vasai City, include the following cities/towns falling within a radius of 50 kms from the Municipal limits of Vasai City:

1. Mira Road
2. Nallasopara
3. Bhayandar

As prescribed under Regulation 159(3), the Branch shall function subject to the control, supervision and directions of the Council through the Western India Regional Council and shall carry out such directions as may from time to time be issued by the Council.

DR. ASHOK HALDIA
Secy.

No. 1-CA(7)/85/2005.—In pursuance of Regulation 159(1) of the Chartered Accountants Regulations 1988, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify the setting up of a branch of Western India Regional Council at Thane with effect from 22nd January, 2005.

The Branch shall be known as Thane Branch of the Western India Regional Council.

The jurisdiction of the Branch shall, besides Thane City, include the following cities/towns falling within a radius of 50 kms from the Municipal limits of Thane City:

1. Kalyan
2. Ulhasnagar
3. Ambernath

As prescribed under Regulation 159(3), the Branch shall function subject to the control, supervision and directions of the Council through the Western India Regional Council and shall carry out such directions as may from time to time be issued by the Council.

DR. ASHOK HALDIA
Secy.

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi-110068, the 21st April 2005

No. IG/Admn(G)/Ord.15/04/90.—In exercise of the powers vested in it, under the provisions of Section 25(2) of the IGNOU Act, 1985 (No. 50 of 1985), the Board of Management of the University, at its 81st meeting held on 16.11.2004 had made amendments to the Ordinance 15 on Emoluments, Terms and Conditions of Service of Directors (other than Directors of Schools) and their Powers and Functions (Under Clauses (3) and (4) of Statute(4).

The Clause 3 under the Ordinance 15 after amendment shall read as follows:—

- 3(i). Subject to the provisions of the Act and Statutes, every Director shall be appointed for a term of three years; provided that the Board of management may renew the appointment, for further terms of 3 years each.

Following new sub-clause shall be added:

- 3(ii) Notwithstanding anything contained in the Ordinance, a Director may resign after giving three months' notice in writing to the Board of Management or by paying three months' salary in lieu thereof; provided that the requirement of notice is waived by the Vice Chancellor at his discretion and the matter reported to the

Board of Management (A self-contained note on each case shall be put up to BOM giving the circumstances which warranted exercise of the Power by the Vice-Chancellor);

The Clause 5 under the said Ordinance after amendment shall read as follows:

5. Every Director, during his tenure, shall be entitled to leave, as admissible to the teachers of the University from time to time except for sabbatical leave and vacation. When an employee of any other University or institution maintained by or affiliated to such other

Unviersity, is appointed on deputation as a Director, he/she shall continue to be governed by the same leave rules in which he/she was entitled prior to his/her appointment as Director till the end of his deputation. In such cases, leave salary and pension contributions or employer's share of PF as the case may be, shall be remitted by the Univeristy to the lending Institution/ University as per rules modified from time to time.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar (Admn.)